प्रश्न पुस्तिका क्रमांक / Question Booklet Serial No. : 101- 1107929

SECONDARY SENT-UP EXAMINATION - 2025

माध्यमिक उत्प्रेषण परीक्षा - 2025

विषय कोड :
Subject Code : **101**

A

HINDI (MT)

मातृभाषा हिन्दी

प्रश्न पुस्तिका कोड
Question Booklet Code

कुल मुद्रित पृष्ठ : 16
Total Printed Pages

कुल प्रश्न : 100 + 6 = 106
Total Questions : 100 + 6 = 106

(समय : 3 घंटे 15 मिनट)
[Time : 3 Hours 15 Minutes]

SENT-UP 2025

परीक्षार्थियों के लिये निर्देश :

1. परीक्षार्थी OMR उत्तर पत्रक पर अपना प्रश्न पुस्ति... अवश्य लिखें।
2. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर...
3. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक...
4. प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़ने के लिए परी... गया...
5. इस प्रश्न पुस्तिका को खण्डों में... खण्ड-अ में 100 वस्तुनिष्ठ... ना... अनिवार्य है। पचास से... उत्तरों क... किसी एक... सही उत्तर को उ... गये OMR उत्तर प... / काले बॉल पे... करें। किसी भी... / ब्लेड / नाखून... OMR उत्तर-... , अन्यथा परीक्षा परिणा... होगा।

3. ग़ महँगाई

(i) महँगाई की मार—प्रसिद्ध हास्य कवि काका हाथरसी की इन पंक्तियों में हास्य के साथ व्यंग्य भी अभिव्यक्त हुआ है। वस्तुओं की कीमतों में निरंतर वृद्धि से एक चिंताजनक समस्या उत्पन्न हो गई है, जिसका निदान निकट भविष्य में दिखाई नहीं दे रहा है। निरंतर बढ़ती हुई महँगाई भारत जैसे विकासशील देश के लिए निश्चित ही भयानक अभिशाप बन गई है।

(ii) निरन्तर बढ़ती महँगाई—भारत में 90% लोग महँगाई के दुष्चक्र में फँसे हुए हैं। भारत एक निर्धन देश है। इस देश में मूल्यों का इस प्रकार बढ़ना निश्चय ही बहुत भयानक समस्या है। मूल्यवृद्धि के कारण जनता की क्रयशक्ति बहुत ही कम हो गई है। हमारी सरकार महँगाई पर रोक लगाने के दावे करती है। वह प्रतिदिन स्थिर या कम मूल्यों की घोषणा करती है। घोषणाओं के वे स्वर आसमान में मँडराते रहते हैं और धरती पर उपभोक्ता सामग्रियों के मूल्य आसमान की ओर चढ़ते रहते हैं। यह सच है कि महँगाई केवल हमारे देश में ही नहीं बढ़ी है, सारा विश्व इससे त्रस्त है। लेकिन, हमारे देश में आय के मुकाबले महँगाई कहीं ज्यादा बढ़ी है।

(iii) सरकार के दावे—भारतवर्ष में कीमतों में बेशुमार वृद्धि हुई है। बार-बार सत्ता-परिवर्तन के कारण अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर पड़ा है। जो भी दल सत्ता में आया, उसने अपनी आर्थिक नीति को लागू किया। लेकिन, आज तक मुद्रास्फीति पर काबू पाने में सभी सत्ताधारी विफल रहे।

(iv) आम लोगों पर प्रभाव—महँगाई का सबसे अधिक प्रभाव निम्न एवं मध्यवर्ग पर पड़ा है। इस वर्ग के लोग सामाजिक स्तर और महँगाई के पाटों में फँसकर पिस जाते हैं। महँगाई के विकराल दानव ने आज संपूर्ण भारतीय समाज को आतंकित कर दिया है।

(v) उपसंहार—महँगाई पर नियंत्रण पाने के लिए सरकार को कठोर कदम उठाने चाहिए तथा जनता को भी सादगीपूर्ण जीवनशैली में निष्ठा रखनी चाहिए। इसके अतिरिक्त आवश्यक पदार्थों के उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि होनी चाहिए जिससे जीवन-स्तर समुन्नत और संपन्न हो सके। सरकार और प्रशासन के द्वारा उत्पादन-वृद्धि को प्रोत्साहन देना होगा और उपभोक्ताओं की क्रयशक्ति बढ़ानी होगी। मुनाफाखोरी की प्रवृत्ति और सरकारी तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार को उसे कुचलना होगा तथा करों के संबंध में अधिक उदार एवं व्यावहारिक नीतियाँ

4. सेवा में,

प्रधानाध्यापक महोदय

रेलवे ऐडेड उ० विद्यालय, दरभंगा

विषय : विद्यालय में सफाई, पेयजल की व्यवस्था करने के संबंध में।

महाशय,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय का नियमित छात्र हूँ। विद्यालय परिसर में हर जगह गंदगी फैला हुआ है। कक्षाओं में प्रतिदिन सफाई नहीं होता है। जिससे बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। (बच्चे हमेशा बीमार हो जाते हैं।) साथ ही विद्यालय में स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं रहने के कारण सारे छात्र-छात्राओं को गरमी के दिनों में घंटों प्यासे रह जाना पड़ता है।

अत: श्रीमान् से अनुरोध है कि विद्यालय में समूचित सफाई और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करने की कृपा की जाय ताकि बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित न हो।

आपका आज्ञाकरी छात्र

अर्जित आदित्य

वर्ग – दशम्

खण्ड – ब

क्रमांक – 02

दिनांक 15 फरवरी, 2016

5.

i.उत्तर_जाति-प्रथा को यदि श्रम विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहों है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है। कुशल व्यक्ति या सक्षम-श्रमिक-समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्तियों की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपना पेशा या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके।

ii.उत्तर_कवि गुरु नानक की दृष्टि में ब्रह्म का निवास हर जीव के हृदय में है, क्योंकि वे मानते हैं कि ब्रह्म सर्वव्यापक हैं और समस्त सृष्टि में व्याप्त हैं। उनका विश्वास है कि ब्रह्म हर जगह मौजूद हैं, इसलिए व्यक्ति के हृदय को ही ब्रह्म का निवास स्थान माना गया है।

iii.उत्तर_दही वाली मंगम्मा' कहानी के अनुसार, 'बारी' का अर्थ है एक खास लगातार या क्रम से किसी सेवा या उत्पाद की पसंदीदा या अधिकार वाली आपूर्ति। यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसके तहत मंगम्मा एक निश्चित व्यक्ति या ग्राहक को दही की आपूर्ति करती है, जो उसके साथ उधार चुकाने या फिर पैसे देने जैसे पारंपरिक तरीके से बंधा है।

iv.उत्तर_बिरजू महाराज की अपने शागिर्दों के प्रति मिली-जुली राय थी। वे मानते थे कि कई शिष्य लगन और साधना की कमी दिखाते हैं और यश और धन पर अधिक ध्यान देते हैं, बजाय इसके कि वे कला को कितना महत्व देते हैं। हालांकि, वे उन्हें संतान की तरह मानते थे और नृत्य के हर रहस्य को सिखाने में बहुत मेहनत करते थे

v.उत्तर_कवि 'हमारी नींद' शीर्षक कविता में गरीब बस्तियों का उल्लेख इसलिए करता है ताकि वह समाज में मौजूद आर्थिक और सामाजिक खाई को दर्शा सके। वह यह दिखाना चाहता है कि जहां लोग दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष करते हैं, वहां देवी जागरण और महोत्सव जैसे कार्यक्रम कितने बेमानी और विरोधाभासी लगते हैं। कवि का उद्देश्य गरीबों की दयनीय स्थिति और अमीर वर्ग द्वारा उन्हें अपने फायदे के लिए इस्तेमाल किए जाने की आलोचना करना है।

vii.उत्तर_हिरोशिमा में मनुष्य की साखी के रूप में पत्थरों पर बनी इंसानों की छायाएं हैं, जो उस परमाणु हमले की विभीषिका को दर्शाती हैं। ये छायाएं बताती हैं कि कैसे अत्यधिक गर्मी और विनाशकारी शक्ति ने लोगों को भाप बनाकर उड़ा दिया और उनकी छाया पत्थरों पर हमेशा के लिए अंकित हो गई

6.i.उत्तर _यह वाक्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध "नाखून क्यों बढ़ते हैं?" से लिया गया है और मनुष्य की पशुता और मनुष्यता के बीच के संघर्ष को दर्शाता है। नाखून का बढ़ना मनुष्य की आदिम, बर्बर और जंगली प्रवृत्ति को दर्शाता है, जबकि उन्हें बार-बार काटना सभ्यता, संस्कृति और आत्म-नियंत्रण का प्रतीक है। यह वाक्यांश बताता है कि यद्यपि मनुष्य में नाखून बढ़ने की प्रवृत्ति प्राकृतिक रूप से मौजूद है, फिर भी वह लगातार अपने भीतर की पाशविकता को नियंत्रित करने और सभ्यता के पथ पर अग्रसर होने का प्रयास करता है